

मन की बात देश की लोकशक्ति की आराधना व देशवासियों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अभनपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी व सिद्धार्थ शंभू के साथ सुनी मन की बात की 139वीं कड़ी

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर जिले के अभनपुर स्थित अग्रवाल भवन में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी एवं सिद्धार्थ शंभू के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 139वीं कड़ी का श्रवण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मन की बात देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज, परिवारण, संस्कृति, नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सामान्य नागरिकों के असाधारण प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। ऐसे प्रेरक उदाहरण देशवासियों में समाज और राष्ट्र के लिए कुछ नया करने का भाव जागृत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रेरक छत्तीसगढ़वासी

के लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री ने मन की बात की विभिन्न कड़ियों में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, खेल प्रतिभाओं, जल संरक्षण, पोषण और नवाचार से जुड़े प्रयासों को प्रमोक्ता से स्थान दिया है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक और बस्तर पड्डम का उल्लेख कर बस्तर की खेल प्रतिभाओं एवं समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दी है। आज शांति, विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा बस्तर अपनी युवा प्रतिभाओं और सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कोरिया जिले में जल संरक्षण के अभिनव पत्र प्रतिलिपि मांडल का भी सराहना की है, जिसके तहत किसान अपनी भूमि के पांच प्रतिशत हिस्से में तालाब बनाकर वर्षा जल का संचय करते हैं। इससे सिंचाई के साथ भूजल संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। इसी प्रकार ऐतिहासिक मल्हार के



ताम्रपर्णों और पोषण से जुड़े हर घर मुनगा जैसे कार्यक्रमों को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिलिपि करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात की 139वीं

कड़ी में कार्यक्रम की 12 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए देश के सामान्य नागरिकों के परिश्रम, सेवा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने पंजाब में प्राकृतिक कपास की खेती और बुनकरों से महिला शक्तिकरण, उत्तराखंड में बेबल नदी के पुनर्जीवन, स्थानीय उत्पादों की वैश्विक पहचान और खादी की बढ़ती लोकप्रियता जैसे प्रेरक प्रयासों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ल्वोहारों के अवसर पर स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को प्राथमिकता देने और वोकरा फॉर लोकल को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने ई-संजीवनी, आधुनिक अनुसंधान, युवाओं के डीप-टेक स्टार्टअप, श्रीअन्न की खेती और अंगदान के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी के साथ भागीता, स्वच्छता और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के

विचार हमें अपने आसपास ही रहे सकारात्मक कार्यों से प्रेरणा लेने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाने की प्रेरणा देते हैं। मन की बात ने स्वच्छता, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन, नवाचार, सेवा और जनभागीदारी को जन-जन से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में विकसित छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनभागीदारी, नवाचार और कर्तव्य के प्रति समर्पण आवश्यक है। उन्होंने सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ और देश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन आग्रवाल, सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, अभनपुर विधायक डॉ. कुमार साहू, सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

छग हाँकी लीग के 7वें मैच में मेनपाट टाइटन्स ने राजधानी रॉयल्स को 5-2 से हराया

नई दृष्टिविंदु / रायपुर



केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साहू, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े और पूर्व मंत्री महेश गांगड़ा भी मैच देखने पहुंचे छत्तीसगढ़ हाँकी लीग के सातवें मुकाबले में आज प्रदे मौर की मेनपाट टाइटन्स ने राजधानी रॉयल्स को 5-2 से करारी शिकस्त दी। लीग के मैचों के बढ़ते रोमांच के बीच केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साहू, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व मंत्री महेश गांगड़ा और पूर्व अंतरराष्ट्रीय हाँकी खिलाड़ी सुश्री नीता दुबेर भी मैच देखने पहुंचे। उन्होंने मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उप मुख्यमंत्री श्री साहू तमाम व्यस्तताओं के बावजूद आज लाइनर लांसेर होने देवने हाँकी रेडिंगवस रहे।

मैच में हार के साथ ही राजधानी रॉयल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने का रास्ता लगभग बंद हो गया है। मैच के पहले क्वार्टर में ज्यादातर समय खेल काफी सुस्त रहा। दोनों टीमों में मिडफिल्ड में ही गेंद को घुमाती रही और बहुत कम बार ही विपक्षी संकल के अंदर पहुंच पाई। क्वार्टर के अंत में मेनपाट टाइटन्स ने तेजी दिखाते हुए संकल के अंदर एक गोली बनाया, जिस पर मनीष चट्टी ने गोल करके टीम को बहुत दिलाई। इसके जवाब में राजधानी रॉयल्स ने भी वापसी की कोशिश की। रोशन ने संकल के बाहर से अनिकेत को गेंद पास की, जिस पर अनिकेत ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके लगभग 30 सेकेंड बाद ही रोशन ने टाइटन्स के गोलकीपर अल्फाज खान को छकाते हुए गोल कर दिया, जिसे रेफरी ने अमान्य करार दिया। मेनपाट के संदीप ठावर को मिडफिल्ड से एक बेहतरान पास मिला, जिस पर अनिकेत को छकाते हाफ-टाइम तक टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद ललित ने शानदार खेल दिखाते हुए काफी दूर से गेंद को उछालकर (स्कूप करके) रोशन के पास पहुंचाया, जिसे रोशन ने गोल में बदल दिया। इसे शायद इस टूर्नामेंट का 'सर्वश्रेष्ठ गोल' कहा जा सकता है। इसी क्वार्टर में मोहित नायक ने रिसर्स प्लेयर के जरिए गोल करके मेनपाट की बढ़त को भी मजबूत कर दिया।

इसके बाद राजधानी रॉयल्स की ओर से कुछ कमजोर खेल देखने को मिला, जिसका फायदा उठाते हुए प्रिंस ने गोल किया और मेनपाट टाइटन्स की बढ़त 4-2 हो गई। रॉयल्स के लिए यह मैच अर्धौ खतम हो गया, क्योंकि वे कोई खास हमला नहीं कर पाए। रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी समस्या यह रही कि वे पेल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सके। इसके जरिए वे कोई गोल नहीं कर पाए। मैच खतम होने के बाद मोहित नायक को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

बैलाडीला बुरुल के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत के साथ न्यायधानी नाइट्स ने छत्तीसगढ़ हाँकी लीग के सेमीफाइनल में अपनी जगह जमाव पक्की कर ली है। न्यायधानी नाइट्स ने अब तक खेले गए सभी अंकों में मैच जीते हैं और वे चौदहवां टाइम में सबसे ऊपर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर बैलाडीला बुरुल अभी भी पॉइंट्स टेबल के निचले हिस्से में है। टीम ने अब तक कोई जीत हासिल नहीं की है। इस मैच के स्टार-प्लेयर चिगरम रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, विश्वोथी टीम का इक्वलीटी गोल जयकृष्ण सिंह ने किया। शानदार प्रदर्शन के लिए चिगरम को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

कार्यक्रम

वित्त मंत्री चौधरी हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित कोलोसस एवं अंतरराष्ट्रीय मांडल यूनाइटेड नेशंस और यूथ पार्लियामेंट के समापन समारोह में हुए शामिल

बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए परिस्थितियां नहीं, दृढ़ संकल्प और मेहनत जरूरी : वित्त मंत्री चौधरी

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने नवा रायपुर स्थित हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एएमएलएन) में आयोजित कोलोसस एवं अंतरराष्ट्रीय मांडल यूनाइटेड नेशंस और यूथ पार्लियामेंट 2026 के समापन समारोह में शामिल होकर विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने वचन, शिक्षा और भारतीय प्रशासनिक सेवा तक पहुंचने की संघर्षपूर्ण यात्रा साझा करते हुए युवाओं को सपने देखने, कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सुविधाओं और संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति का आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रश्रन है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यह लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किया जाए तो सफलता की राह बनाई जा सकती है। कार्यक्रम में भारतीय हाँकी खिलाड़ी एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि उनका जन्म रायपुर जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। उनके पिता शासकीय विद्यालय में शिक्षक थे, लेकिन जब वे विश्वविद्यालय के कुलाति प्रोफेसर वी.सी.



विवेकानंदन सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विश्वविद्यालय द्वारा मांडल यूनाइटेड नेशंस और यूथ पार्लियामेंट जैसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को संवाद, नेतृत्व और विचारों की अभिव्यक्ति का अवसर उपलब्ध कराने की सराहना की। गांव के छोटे से स्कूल से शुरू हुई तफकली का यात्रा: विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि उनका जन्म रायपुर जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। उनके पिता शासकीय विद्यालय में शिक्षक थे, लेकिन जब वे विश्वविद्यालय के कुलाति प्रोफेसर वी.सी.

हो गया। उनकी माता ने केवल चौथी कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की थी। सीमित परिवारिक संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिक शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल में हुई। जिस मिडिल स्कूल में वे पढ़ते थे, उसकी छत खरबेल की थी और बारिश होने पर कक्षाओं में पानी भर जाता था। नौवीं से बारहवीं तक की पढ़ाई के दौरान भी शिक्षकों की भारी कमी थी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि बाहरी कक्षा में पूरे वर्ष गणित की केवल चार कक्षाएं ही आयोजित हो पाई थीं। श्री चौधरी ने कहा कि इन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी

कमजोरियों या संसाधनों की कमी को कभी अपने सपनों के रास्ते की बाधा नहीं बनने दिया। आधुनेस बनने का सपना देखते पहुंचे थे मसूरी, अकादमी के गेट से लौटना पड़ा : वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने जीवन का एक प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2000 में बारहवीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे भिलाई पहुंचे। उस समय आईएएस की तैयारी के लिए आवश्यक किताबें आसानी से उपलब्ध नहीं होती थीं। भिलाई और रायपुर के पुस्तक बाजारों में तलाश करने के बाद भी जब पचास अध्याय सामग्री नहीं मिली, तो उन्होंने दिल्ली जाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि दिल्ली पहुंचने के बाद अपने एक मित्र के साथ वे मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशसन अकादमी देखने पहुंचे। उस समय उनकी उम्र लगभग 18 वर्ष थी। उन्होंने अकादमी के प्रवेश परीक्षा और परिवार से प्राप्त सीमित आर्थिक सहयोग रहते रहते रहते, जिसकी छत्र एक्स्टेंस शीट की थी। गर्मियों में कम्पा अल्थिक गर्म हो जाता था और पढ़ाई करते समय लगातार पसीना बहता रहता था। उन्होंने बताया कि बाद में कम किए गए कारण उन्हें दिल्ली की एक कोलोनी में कब्रिस्तान के समीप स्थित कक्ष में भी रहना पड़ा। आर्थिक जरूरतों की पूर्ण करने के लिए वे लगभग 12 किलोमीटर दूर काठिन दयुशन पहाड़े पर 2 घण्टे से मिलने वाली राह और परिवार से प्राप्त सीमित आर्थिक सहयोग रहते रहते रहते अपनी पढ़ाई तथा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी जारी रखी। श्री चौधरी ने विद्यार्थियों से कहा कि इन तमाम कठिनताओं के बावजूद उन्होंने कभी नकारात्मक सोच को अपने उम्र हारा नहीं होने दिया। उन्हें हमेशा विश्वास रहा कि मेहनत और संकल्प के बल पर वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। युवाओं से कहाइ अपनी परिस्थितियों को

बढ़ने की प्रेरणा में बदलना चाहिए। दिल्ली की तपती गर्मी और आर्थिक कठिनाइयों के बीच जारी रखी तैयारी: वित्त मंत्री श्री चौधरी ने दिल्ली में अपनी पढ़ाई के दिनों का उल्लेख करते हुए बताया कि सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उन्हें बेहद कष्टाकर परिस्थितियों में रहना पड़ा। शुरुआत में वे दिल्ली के हकीकत नगर क्षेत्र में एक सक्न की ऊपरी मंजिल पर किराए से रहते थे, जिसकी छत्र एक्स्टेंस शीट की थी। गर्मियों में कम्पा अल्थिक गर्म हो जाता था और पढ़ाई करते समय लगातार पसीना बहता रहता था। उन्होंने बताया कि बाद में कम किए गए कारण उन्हें दिल्ली की एक कोलोनी में कब्रिस्तान के समीप स्थित कक्ष में भी रहना पड़ा। आर्थिक जरूरतों की पूर्ण करने के लिए वे लगभग 12 किलोमीटर दूर काठिन दयुशन पहाड़े पर 2 घण्टे से मिलने वाली राह और परिवार से प्राप्त सीमित आर्थिक सहयोग रहते रहते रहते अपनी पढ़ाई तथा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी जारी रखी। श्री चौधरी ने विद्यार्थियों से कहा कि इन तमाम कठिनताओं के बावजूद उन्होंने कभी नकारात्मक सोच को अपने उम्र हारा नहीं होने दिया। उन्हें हमेशा विश्वास रहा कि मेहनत और संकल्प के बल पर वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। युवाओं से कहाइ अपनी परिस्थितियों को

नहीं, अपनी दमताओं को पहचानें : वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि युवावस्था जीवन का वह महत्वपूर्ण समय है, जब व्यक्ति अपने भविष्य की दिशा चुन सकता है। इस दौर में चुनौतियां और असफलताएं आना स्वाभाविक है, लेकिन उनसे सफलता के बजाय सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति की सफलता प्रष्टुप्ति, आर्थिक स्थिति या शुरूआती शैक्षणिक सुविधाएं उसके भविष्य की अंतिम सीमा निर्धारित नहीं करती। सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचना जा सकता है। युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए ऐसे कम विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विचारों पर विचार-विमर्श करने, विभिन्न प्रतियोगिताओं को सफलता और विजय नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने आयोजन से जुड़े विद्यार्थियों, विश्वविद्यालय प्रबंधन और आयोजकों को बधाई देते हुए युवाओं के उच्चतम भविष्य की कामना की।

संपादकीय

सच क्या है और झूठ क्या है, देश जानता है....

राजनीति में कई बार किसी का पक्ष लेने के लिए, मजबूरी में किसी के साथ खड़े होने के लिए देश को यह बहाने के लिए हम सच के साथ खड़े हैं पुरा सच नहीं कहा जाता है, आधा सच कहा जाता है और इस तरह कहा जाता है कि लोगों को लगे कि यह सच है, यही पुरा सच है और देश के लोगों को हमारे सच पर ही यकीन करना चाहिए। देश के लोगों को हम जो कह रहे हैं, उसी पर यकीन करना चाहिए लेकिन आवे सच की पोल जल्द ही खुल जाते हैं, सोशल मीडिया के जमाने में कोई झूठ आधा सच कहता है और उसके कुछ मिनट बाद ही पुरा सच देश के लोगों के सामने आ जाता है और देश को पता चल जाता है कोई आधा सच कह रहा है तो पुरा सच क्या है आधा सच अवसर अपने राजनीतिक फायदे और विरोधी को नुकसान पहुंचाने के इरादे से ही कहा जाता है लेकिन कई बार उससे कहने वाले को राजनीतिक फायदा तो नहीं होता है, उल्टे राजनीतिक रूप से नुकसान ही जाता है कि यह आदमी झूठ कहता है और जब भी झूठ कहता है, पकड़ा भी जाता है।

कांग्रेस के सबसे बड़े नेता मोदी ऐसे ही नेता हैं, जब भी आधा सच कहते हैं तो पुरा सच देश के जनता के सामने आ जाता है और उनको राजनीतिक रूप से फायदा होने की जगह नुकसान होता है कि वह आधा सच सच कहते हैं, जबकि उनको मालूम है कि कुछ ही देर में उनके आधा सच के पता में पुरा सच देश के सामने आ जाएगा। राहुल गांधी को कौन जरूरत नहीं थी काकागरी जनता पार्टी के नेताओं के जंतर मंतर में तिरंगा फहराने पर यह कहने की कि जंतर मंतर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन में राहुल ध्वज तिरंगा फहराना कोई अपराध नहीं है और इसके लिए युवाओं को जेल में डालना कार्यवाहीपूर्ण कदम है। यह सच है कि कभी पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराना कोई अपराध नहीं है लेकिन तिरंगा फहराया जा रहा है और यही फहराया जा रहा है, यह भी विचार का विषय होना चाहिए जैसे कांग्रेस जनता पार्टी का नेता सीएस दास व आशुतोष गिरा फहराने पर थे वह मानते हैं कि तिरंगा फहराने के कारण उनके अपराध की अपराध नहीं माना जाएगा। ऐसा हुआ उन्होंने जंतर मंतर में बिना अनुमति के गए और इसी अपराध के कारण उनको गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया तो अदालत ने भी उनके इस अपराध को गंभीरता से लिया और उनको जमानत पर रिहा करने की जगह पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज कर एक तरह से मान लिया कि दोनों ने जानबूझकर अपराध किया है इसलिए दोनों को सजा मिलनी चाहिए।

दोनों को पुलिस ने इससे पहले राजधानी में प्रदर्शन के नाम पर अराजकता फैलाने पर गिरफ्तार किया और भीजस्टेट का सामने पेश किया गया था तो वहां उनको एक साथ तब गांधी बंगला पहुंचने के नाम पर बंद भरावकर रिहा किया गया था। यानी दोनों ने अदालत से वादा किया था कि वह रिहा होने के बाद ऐसा कुछ नहीं करेंगे जिससे बांड की शर्त भंग होती है लेकिन उन्होंने फिर भी तिरंगा फहराया और जंतर मंतर में झुसकर वही किया जो अदालत में नहीं करने का वादा किया था। यानी सीएस दास व आशुतोष गिरा ने दो अपराध किए एक तो भरे पाग बांड के खिलाफ काम किया, दूसरा बिना अनुमति तिरंगी परिवेश से होकर जंतर मंतर में गए और झंडा फहराया। उनको झंडा फहराने के कारण गिरफ्तार नहीं किया गया है, उनको गिरफ्तार निजी परिवार से बिना अनुमति जाने और जंतर मंतर में घुसने पर किया गया है। वाहं फहराया जनता पार्टी हो जा कांग्रेस नेता राहुल गांधी वह आधा सच कर रहे हैं कि तिरंगा फहराने कोई अपराध नहीं है लेकिन जो तिरंगा फहराने के कारण गिरफ्तार किया गया है, उसे अराजकता फहराने के कारण गिरफ्तार कर रहे हैं और कांग्रेस अलग झंडा पहनने के साथ प्रदर्शन कर रही थी। दोनों के बीच होइ लगी हुई थी कौन झानेश कुमार का ज्यादा विरोध कर सकता है। एक दिन कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करती थी तो एक दिन कांग्रेस जनता पार्टी वाहं विरोध प्रदर्शन करते हैं। पब्ली बार राहुल गांधी काजगा के नेताओं की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए बताया दिया कि तो इसकी एक जगह तो यही हो सकती है कि वह चाहते हैं कि देश में जो विरोध प्रदर्शन हो रहा है वह विरोध हुआ न तो, ऐसा लगे कि विपक्ष के सबने एकजुट हैं और एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसा होता है तो माना यही जाएगा कि विरोध प्रदर्शन के बड़े नेता राहुल गांधी है और उन्होंने ही सबको एकजुट किया है।

सेवा संकल्प अभियान : निर्माण श्रमिकों के जीवन में खुशहाली ला रही सन्निर्माण कर्मकार मंडल की जनकल्याणकारी योजनाएं

15 योजनाओं से श्रमिक परिवारों को मिल रहा आर्थिक संबल, बच्चों की शिक्षा, मातृत्व सहायता और सामाजिक सुरक्षा का सहारा



ताराशंकर सिन्हा, सहायक संचालक, जशपुर

श्रम विभाग छत्तीसगढ़ शासन के तहत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित 15 जनकल्याणकारी योजनाएं प्रदेश के निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों को मातृत्व सहायता, शिक्षा, साइकिल, औजार, सुरक्षा उपकरण, आवास, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न जरूरतों के लिए आर्थिक सहायता मंडल के द्वारा प्रदान की जा रही है। प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया गया, जिसमें इन हितदायीमूलक योजनाओं के अंतर्गत प्रदेश के 47 हजार 11 पंजीकृत श्रमिकों और उनके परिवारों को कुल 18 करोड़ 96 लाख 73 हजार रूपए का लाभ दिया गया। मंडल द्वारा उनके बैंक खातों में यह राशि डीवीटी के जरिए अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ श्रम सन्निर्माण कर्मकार मंडल द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जनन योजना के तहत 1 हजार 975 हितग्राहियों को 3 करोड़ 95 लाख रुपये

डीवीटी के माध्यम से तथा मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना के अंतर्गत 220 हितग्राहियों को 8 लाख 15 हजार 113 रुपये की सहायता डीवीटी के माध्यम से दी गई है। वहीं, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के जीवन में मदद करने के लिए 509 हितग्राहियों को 17 लाख 44 हजार 7 रुपये प्रदान किए गए हैं। इन योजनाओं से श्रमिक परिवारों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने और कार्यबल बढ़ाने में मदद मिल रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री नीतिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 38 हजार 380 हितग्राहियों को 6 करोड़ 67 लाख 9 हजार रुपये तथा मुख्यमंत्री नीति वायु मेवाय शिक्षा सहायता योजना के तहत 904 हितग्राहियों को 60 लाख 64 हजार 700 रुपये की सहायता प्रदान की गई है। इससे अलग, निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक-कॉपी सहायता योजना के अंतर्गत 1 हजार 243 हितग्राहियों को 17 लाख 59 हजार रुपये डीवीटी के माध्यम से दिए गए हैं। बच्चों को खेल के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए उच्च खेल प्रोत्साहन योजना के तहत 3 हितग्राहियों को 1 लाख 50 हजार रुपये डीवीटी के माध्यम से प्रदान किए गए हैं।

सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत

246 हितग्राहियों को 2 करोड़ 46 लाख रुपये तथा 2 हितग्राहियों को 10 लाख रुपये की सहायता राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के अंतर्गत एक हितग्राही को 75 हजार रुपये की सहायता दी गई है।

जातव्य है कि मंडल को ये महत्वाकांक्षी योजनाएं निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों की जरूरतों और कल्याण को ध्यान में रखकर संचालित की जा रही हैं। शिक्षा, मातृत्व, सामाजिक सुरक्षा, कार्यस्थल पर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और आवास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मिल रही सहायता श्रमिक परिवारों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने में सहायक है। योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने, बच्चों के बेहतर भविष्य और परिवारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।



कविता का कोना : चलो इश्क करते हैं

तुम्हें जिन नजरों ने चुपके से निहार था कभी जो अब बेशरम हो गयी हैं हक मंगीतों हैं खुले आंग अपना और एकदल देखा करती हैं तुम्हें,.... तब तक ही जब तक कि तुम्हारी नजरें चुपके से बेशरम हुईं नजरों को हया की ओड़नी न ओढ़ दूँ.....।:.....:.....: यूँ ही कभी आकर गुपचाप विनताए बतया करो न तुम अपाहिण मैं रोमांचित मैं शुरू से ही तो खूबसूरत लगती हूँ तुम्हें,.... तुम्हारे हाथों का लम्प

मेरे गालों को दे जाता है लातिया जो सूख के इलने के बाद भी इलती नहीं और तुम्हारा मेरी आँखों को बंद करा कर अपने दर्शन का तरीका मन परित की कभी घंटियाँ बजवा पूजन करवा देता है न तुम्हारा और मैं मिल जाती हूँ हर बार ही तुम्हें प्रसाद सी

जैसे तुम माथे से लगा कर कर लेते हो प्रहण,.... और तुम्हारे जाते ही लग जाता है फिर मेरी इन तमाम खुशियों को ह्रहण,.... न जाओ इस बार कि न हो आवासर और न ही हो पुनः,.... रब रहनी बेशक



शुवि 'मि' मिटाई, छत्तीसगढ़

नैरेटिव कंट्रोल की चिंता

हाल में संकेत मिले कि सत्ता पक्ष का नैरेटिव कंट्रोल टूट रहा है। उस नियंत्रण को वापस पाने के हालिया प्रयास कारगर नहीं हुए। तो अब संभवतः सरकार को शक्ति के इस्तेमाल की रणनीति बनी है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने वीते आए अक्टूबर को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को एडवाइजरी भेजी। इसमें कहा गया था कि वे दिल्ली में चल रहे राजनीतिक आंदोलनों के सिलसिले में भ्रामक, पुरानी या संदर्भ से अलग सामग्रियों पर कड़ी निगरानी रखें। उसके बाद दस अक्टूबर को मंत्रालय ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को अलग निदेश भेजा। उसमें फेसबुक और इंस्टाग्राम के कंटेंट रिमूवमेंट सिस्टम (एल्गोरिथ्म) पर सवाल उठाया गया। कुल मिलाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को आगाह किया गया है कि उन पर एकरतर्पण नैरेटिव जा रहा है, जिसे उन्हें नियंत्रित करना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि एल्गोरिथ्म ऐसा होना चाहिए, जिससे वृजनों के किसी भी मुद्दे पर एकरतर्पण जानकारी या सीमित नैरेटिव ना मिले। अब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टीवी चैनलों को प्रसारण संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करने को कहा है।

अपनी एडवाइजरी में मंत्रालय ने कहा कि वह इस के लिए पके चयन में सावधानी बरती जाए और

जरूरत पड़ने पर चैनलों को डिप्लोमियां म्यूट करने, चेतावनी दिखाने, डिस्क्रेमर लगाने या प्रसारण रोकने जैसे कदम उठाने चाहिए। सरकार ने आगाह किया है कि केवल टेलीविजन नेटवर्क के अधिनियम-1995 और उससे जुड़े प्रोग्राम कोड के उल्लंघन पर कार्रवाई को जा सकता है। संसद मामला हो, तो इन परामर्श-पत्रों को सरकार के सामान्य कर्तव्य निर्वहन के रूप में समझा जाता। लेकिन फिलहाल जो पहल हुई है, उसे मौजूदा परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। आम सभ्य बनी है कि कॉन्ग्रेस आंदोलन के उदय में देश में राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है। अपेक्षाकृत संपन्न घरों से आए नौजवानों ने ऐसी लीवा, जिससे माहौल बदल और सत्ता पक्ष एवं उसके नेताओं के लिए तब तक अचक्री बाते खुल कर कही जाने लगीं। इससे संकेत मिला कि सत्ता पक्ष का नैरेटिव कंट्रोल टूटने लगा है, जो उसकी राजनीतिक शक्ति का प्रमुख आधार रहा है। उस नियंत्रण को वापस लाने के प्रयास पहले हुए, लेकिन वे कारगर नहीं हुए। तो अब संभवतः सरकार को शक्ति का इस्तेमाल करने की रणनीति बनी है। लेकिन बदले माहौल में इसकी कामयाबी भी संदिग्ध है।

पीएम आवास योजना से जशपुर में साकार हो रहे हजारों परिवारों के सपने, पक्के आशियानों से बदल रही जिंदगी

सुनील कुमार त्रिपाठी, सहायक संचालक, जनसंपर्क

श्रीमती नूतन सिद्धा, सहायक संचालक, जनसंपर्क

किसी भी परिवार के लिए अपना घर केवल ईंट, सीमेंट और दीवारों से बनी संरचना नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य का आधार होता है। वर्षों तक कच्चे मकानों में अभावों और कठिनाइयों के बीच जीवन बिताने वाले परिवारों के लिए पक्की छत का सपना अब हकीकत में बदल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता से प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में खुशहाली का नया अध्याय लिख रही है। विशेष रूप से जनजातीय बहुल जशपुर जिले में यह योजना सामाजिक और आर्थिक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में जशपुर जिले के हजारों परिवारों को पक्का आशियाना मिला है। कभी बारिमें में टपकती छतों और कमजोर दीवारों के गिरने रहने वाले परिवार आज अपने पक्के मकानों में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जिले में अब तक 1 लाख 12 हजार 922 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 97 हजार 165 आवासों को चूके हैं। यह उपलब्धि केवल आवास निर्माण के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में आज सकारात्मक परिवर्तन और उनके सपनों के साकार होने की कहानी भी है।

कच्चे मकानों की परेशानियों से मुक्ति, पक्की छत ने दिया सुरक्षा और सम्मान को भरपूर जशपुर जिले के दूरस्थ ग्रामीणों और ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक परिवारों के सपने में खुशहाली के अंशक पर्व है। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकना, दीवारों में सोलन आना और भरतु सामान



को सुरक्षित रखने की चिंता उनके जीवन का हिस्सा थी। गर्मियों की गर्मी और सर्दियों की ठिठुरन भी इन परिवारों की कठिनाइयां बढ़ाती थीं। सीमित आय और आर्थिक संसाधनों के अभाव में स्वयं का पक्का मकान बनाना उनके लिए एक अभूत सपना था। प्रधानमंत्री आवास योजना ने ऐसे परिवारों को नई उम्मीद दी है। पक्का मकान मिलने से न केवल मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से सुरक्षा मिली है, बल्कि परिवारों में आत्मविश्वास और स्थिरता की भावना भी मजबूत हुई है। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित आवास बेहतर जीवन की बुनियाद बन रहा है। आवास के साथ स्वच्छ पेयजल, बिजली, शौचालय और एलपीजी जैसे सुविधाओं का लाभ मिलने से ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में भी सुधार हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आवास निर्माण को मिली नई नैतिक

सरकार गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध करने के लिए प्राथमिकता के साथ कार्य कर रही है। सरकार को मंशा है कि पात्र परिवारों को सुरक्षित आवास का लाभ मिले और कोई भी जरूरतमंद परिवार केवल आर्थिक अभाव के कारण पक्की छत से वंचित न रहे। जशपुर जिले

में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1 लाख 12 हजार 922 आवासों की स्वीकृति और 97 हजार 165 आवासों का निर्माण पूर्ण होना इसी दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन आवासों के माध्यम से हजारों परिवारों को स्थायी आशियाना मिला है। पक्का मकान मिलने से परिवारों की आवास संबंधी अपरुक्षा कम हुई है और वे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आजीविका जैसे अन्य आवश्यकताओं पर बेहतर ध्यान दे पा रहे हैं। पीएम-आवास से पहाड़ी कोरवा परिवारों के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव जनजातीय बहुल जशपुर जिले में प्रधानमंत्री जनजाति आवास योजना के अंतर्गत 1,213 आवासों के जीवन में बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। इस योजना के अंतर्गत दूरस्थ और द्रुमि क्षेत्रों में निवास करने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को सुरक्षित आवास सहित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिले में वर्ष 2023 से 2025 के दौरान पीएम-आवास योजना के अंतर्गत 1,213 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 1,626 से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। योजना से विशेष रूप से पहाड़ी कोरवा समुदाय के परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। वर्षों से कच्चे मकानों में रहने वाले इन



परिवारों को अब पक्की छत के रूप में सुरक्षा और सम्मान का नया आधार मिल रहा है। पीएम-आवास का उद्देश्य केवल आवास उपलब्ध कराना कर रहे हैं। पहाड़ राम जैसे अनेक परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना केवल सकारात्मक सहायता नहीं, बल्कि जीवन में नई शुरुआत का अवसर बन रही है।

जशपुर जिले के बागीचा विकासखंड अंतर्गत प्रपांचात पड़पात निवासी पहाड़ राम की कहानी प्रधानमंत्री आवास योजना के सकारात्मक प्रभाव का दृढ़ांकन है। वर्षों तक कच्चे मकान में जीवन बिताने वाले पहाड़ राम उनके परिवार को बारिश, ठंड और गर्मी के मौसम में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए आसान नहीं था। वर्ष 2023-24 में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत होने से उनका सपना साकार होने

का रास्ता खुला। योजना के सहयोग से उनका पक्का मकान बनकर तैयार हुआ और अब वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित आवास में निवास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित पात्र परिवारों को भी योजना के दायरे में लाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से जशपुर जिले में आवास प्लस 2.0 के अंतर्गत व्यापक सर्वेक्षण किया गया है। जिले में अब तक 1 लाख 2 हजार 371 परिवारों को पुनः सर्वेक्षण किया गया है। सर्वेक्षण शायित्य परिवारों को निर्धारित पात्रता, प्राथमिकता और शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार परिवारों से लाभान्वित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इस पहल का उद्देश्य ऐसे जरूरतमंद परिवारों की पहचान करना है, जो पूर्व में किसी कारणवश आवास योजना के दायरे में शामिल नहीं हो पाए थे। आवास प्लस 2.0 के माध्यम से आवासहीन परिवारों के कच्चे मकानों में रहने वाले पात्र परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

उठाया गया है। इससे आने वाले समय में और अधिक परिवारों के पक्के आवास का सपना साकार होने की उम्मीद मजबूत हुई है।

पक्का आवास बना सामाजिक सुरक्षा और बेहतर भविष्य का आधार

प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रभाव केवल मकान निर्माण तक सीमित नहीं है। पक्का आवास परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और स्थिरता प्रदान करता है। सुरक्षित घर में रहने से बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिलता है, महिलाओं को घरेलू कार्यों में सुविधा होती है और बुजुर्गों को अधिक सुरक्षित आवासीय परिवेश उपलब्ध होता है। आवास निर्माण से स्थानीय स्तर पर निर्माण सामग्री, परिवहन और श्रम की मांग भी बढ़ती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को प्रोत्साहन मिलता है। इस प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना व्यक्तिगत परिवारों के साथ ग्रामीण विकास की प्रक्रिया को भी मजबूती प्रदान कर रही है।

सुशासन से समृद्धि की ओर बढ़ता जशपुर, हजारों परिवारों के जीवन में आई नई खुशहाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में जशपुर जिले में आवास निर्माण की उपलब्धियां गरीब कल्याण के संकल्प के साकार कर रही हैं। जिले में 97 हजार से अधिक पूर्ण आवास हजारों परिवारों के जीवन में आगे बदलाव के प्रतीक हैं। यही पीएम-आवास के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास का लाभ पहुंच रहा है और आवास प्लस 2.0 से जुड़े हुए पात्र परिवारों को भी योजना से जोड़ने की दिशा में प्रयास जारी हैं। कभी जिन परिवारों के लिए पक्की छत एक दूर का सपना थी, आज उनके आंगन में खुशहाली और भविष्य के प्रति नया विश्वास दिखाई दे रहा है। जशपुर में बन रहे पक्के आशियाने पक्के मकान नहीं, बल्कि गरीब परिवारों की उम्मीदों, आत्मसम्मान और सुरक्षित भविष्य को मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री

किचन सिंक ब्लॉक क्यों होता है?

किचन सिंक की पाइपलाइन के अंदर समय के साथ गंदगी की लेयर जमा होने लगती है। यह लेयर पाइप का रास्ता धीरे-धीरे संकरा कर देती है। इससे पानी का बहाव कम होने लगता है और सिंक जाम हो जाता है।

किचन सिंक की गंदगी से फूड कंटैमिनेशन का रिस्क बढ़ता है?

हां, किचन सिंक का इस्तेमाल रोज फल-सब्जियां धोने, बर्तन साफ करने और खाना बनाने से जुड़ी कई गतिविधियों में होता है। ऐसे में अगर सिंक साफ न हो तो गंदगी और खाने के अवशेष फल-सब्जियों या साफ बर्तनों के संपर्क में आ सकते हैं।

डॉक्टर से समझें, यह कब नॉर्मल है, कब किसी बीमारी का संकेत, बचाव के 11 उपाय

वया

सोते समय मुंह से लार निकलना एकदम नॉर्मल है ?

हां, सोते समय मुंह से थोड़ी लार निकलना सामान्य है। लेकिन अगर ऐसा रोजाना ज्यादा मात्रा में हो या अचानक लार निकलने की समस्या बढ़ जाए, तो इसके पीछे कोई दूसरी वजह हो सकती है।

लार

निकलने का कारण लार का ज्यादा बनना भी हो सकता है?

हां, ऐसा हो सकता है। शरीर में जरूरत से ज्यादा लार बनने को 'हाइपरसलाइवेशन' या 'सियालोरिया' कहते हैं। इससे मुंह में अतिरिक्त लार जमा होने लगती है, जो नींद के दौरान बाहर निकल सकती है। एसिड रिफ्लक्स, मुंह में संक्रमण या कुछ दवाओं के कारण लार ज्यादा बनती है।

सोते समय मुंह से लार क्यों निकलती है?

सोते समय शरीर की मसलियां ढीली पड़ जाती हैं और लार निकलने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इस दौरान मुंह खुला रहने से लार बाहर निकलने लगती है। कस्टड या पेट के बल सोने पर लार मुंह से बाहर निकल सकती है। खरों, एलर्जी या बक बंद होने के कारण मुंह से लार सोने पर भी पैदा हो सकती है। पेट का एसिड भोजन नीची की ओर आने पर कभी-कभी मुंह से ज्यादा लार बनने लगती है। लार निकलने में परेशानी होने पर भी यह मुंह से बाहर निकल सकती है। खराब सोने के दौरान मुंह खुला रहने से लार बाहर निकल सकती है।

वया सोते समय बच्चों के मुंह से लार निकालना सामान्य है?

हां, छोटे बच्चों में गिलहने की प्रक्रिया विकसित हो रही होती है। इस दौरान सोते समय लार निकलना सामान्य है। बक बंद होने, एलर्जी या मुंह से लार सोने पर भी लार बाहर निकल सकती है। लेकिन अगर तेज ज्यादा लार निकलती है, फिर भी लार टपकती है या गिलहने, लार सोने में परेशानी उठे लगाने हैं तो पॉडियट्रिशियन से कंसल्ट करें।

जब हम सो रहे होते हैं, तब भी हमारे शरीर के भीतर कई जरूरी काम लगातार चलते रहते हैं। सलाइदा यानी लार बनना भी इनमें से एक है। यह हमारे शरीर का एक जरूरी फलवुड है, जो मुंह को नम रखने, खाना चबाने और निगलने के साथ पाचन की प्रक्रिया में भी मदद करता है। आमतौर पर हम जागते या सोते समय लार को अनजाने में निगलते रहते हैं। लेकिन वया आपने कभी गौर किया है कि कई बार सुबह उठने पर तर्किए पर लार के निशान मिलते हैं? कभी-कभार सोते समय मुंह से लार निकलना सामान्य है। लेकिन अगर ऐसा रोज हो तो इसके पीछे एलर्जी, एसिड रिफ्लक्स या स्लीप एपनिया जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

सोते समय मुंह से निकलती है लार



लार का हमारे शरीर में वया काम है और ये क्यों जरूरी है?

यह हमारे मुंह में मौजूद लार प्रोथिन से निकलने वाला एक फलवुड है। लार भोजन को गोला और नरम बनाती है, जिससे उसे निगलना आसान हो जाता है। इसमें मौजूद एंजाइम भोजन में मौजूद स्टार्च को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू करते हैं। लार मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को कंट्रोल करती है। इसलिए शरीर में पर्याप्त लार बनना जरूरी है।

वया लाइफस्टाइल और खानपान की आदतों का सोते समय लार निकलने से कोई संबंध है?

हां, लाइफस्टाइल और खानपान की कुछ आदतें सोते समय मुंह से लार निकलने की समस्या को बढ़ा सकती हैं, जैसे कि सोने से ठीक पहले भारी खाना खाना। एसिड रिफ्लक्स की समस्या होना। कस्टड या पेट के बल सोना। नाक बंद होने के कारण मुंह से सांस लेना। शराब पीना।

हमारी किन गलतियों के कारण सिंक ब्लॉक हो सकता है?

किचन सिंक अचानक जाम नहीं होता। ज्यादातर मामलों में हमारी रोजमर्रा की छोटी-छोटी आदतें इसकी वजह बनती हैं। बर्तनों को बिना साफ किए सीधे सिंक में धोना। इससे प्लेट, कड़ाही और पैन में बचा खाना, तेल-घी और मसाले पाइप में जाकर चिपक सकते हैं। आटा गुंथने के बाद बचा आटा या चावल का पानी सिंक में छलना। इससे पाइप के अंदर धीरे-धीरे परत जम सकती है। सिंक में डूंग जाली न लगाना। इससे खाने के छोटे-छोटे कण सीधे पाइप में चले जाते हैं और समय के साथ उसमें जमा हो सकते हैं।

किचन सिंक में कभी न डालें 10 चीजें

जमेगी गंदगी, पाइप होगा ब्लॉक, सिंक हाइजीन मेन्टेन करने के 7 टिप्स

किचन का सिंक घर की उन जगहों में से एक है, जिसका इस्तेमाल दिनभर होता है। सुबह की चाय से लेकर रात के बर्तनों तक, दिनभर न जाने कितना पानी और कचरा इसके रास्ते से गुजरता है। हममें से ज्यादातर लोग बचा हुआ तेल, चायपत्ती, आटा, चावल या खाने के छोटे-छोटे टुकड़े सिंक में बहा देते हैं। उस वक्त

लगता है कि पानी सब कुछ अपने साथ ले गया। लेकिन जो चीजें पानी के साथ बह जाती हैं, वे हमेशा पाइप से बाहर नहीं निकलती। कई बार ये पाइप में फंस जाती हैं या उसकी दीवारों पर जमने लगती हैं। धीरे-धीरे यही जमा कचरा बंदबू और सिंक जाम होने जैसी समस्याओं की वजह बनता है।

इन 10 चीजों को डिस्पोज करने का सेफ तरीका क्या है?

तेल और घी ठंडा होने पर किसी बोलत या कंटेनर में जमा करें और कचरे में फेंकें। चायपत्ती कम्पोस्ट में डालें या गीले कचरे के साथ डिस्पोज करें। कॉफी पाउडर कम्पोस्ट या गीले कचरे में डालें। चावल गीले कचरे के साथ फेंकें, सिंक में न बहाएं। आटा कुड़दान में डालें। इसे पानी के साथ न बहाएं। पास्ता और नूडल्स गीले कचरे में डिस्पोज करें। अंडे के छिलके कम्पोस्ट या कुड़दान में डालें। फल-सब्जियों के छिलके का कम्पोस्ट बनाएं या गीले कचरे में फेंकें। स्टिकर और लेबल सूखे कचरे के साथ डिस्पोज करें। दवाइयों और केमिकल्स अलग से डिस्पोज करें, सिंक या टॉयलेट में न डालें।

वया पानी आसानी से निकल रहा है, फिर भी पाइप के अंदर गंदगी जमा हो सकती है?

हां ऐसा हो सकता है। पाइप के अंदर गंदगी, ग्रीस और अन्य कण धीरे-धीरे जमा हो सकते हैं, जबकि ऊपर से पानी सामान्य रूप से बहता हुआ दिखाई देता है। दरअसल, पाइप में समस्या तब नजर आती है, जब जमा हुई गंदगी पानी के बहाव को प्रभावित करने लगती है। इसलिए सिर्फ पानी का निकलना ही पाइप की सफाई का पैमाना नहीं है।

वया दूध, दही और क्रीम जैसी चीजें भी पाइप में समस्या पैदा कर सकती हैं?

हां, इन चीजों में फैट और प्रोटीन होते हैं। यह सीवर सिस्टम में जाकर अन्य कचरे के साथ मिल सकते हैं। इसके अलावा डेयरी प्रोडक्ट्स जल्दी खराब होते हैं। इनके अवशेष पाइप या ड्रेन में स्मेल पैदा करते हैं और बैक्टीरिया के बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल बनाते हैं।

कुछ आसान आदतों से लंबे समय तक पाइपलाइन में ब्लॉकेज की समस्या नहीं होती

ड्रेन पर जाली लगाएं। बर्तन धोने से पहले खाने के बचे टुकड़े कुड़दान में डालें। इस्तेमाल किया हुआ तेल और घी अलग कंटेनर में जमा करें। चायपत्ती और कॉफी पाउडर को सिंक में न बहाएं। पानी का बहाव धीमा होते ही समस्या की जांच करें।

किचन सिंक की सफाई कैसे करें? हाइजीन कैसे मेन्टेन करें ?

इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें दिन में कम-से-कम एक बार सिंक को पानी और लिंबिकड क्लोनीन से साफ करें। बर्तन धोने के बाद सिंक में बचे फूड पार्टिकल्स हटा दें। ड्रेन जाली को रेगुलर सफाई करें। सप्ताह में एक बार बेकिंग सोडा या विनोगर से ड्रेन साफ करें। सिंक और उसके आसपास की सफाई को सूखा रखें। बर्तन धोने वाले स्पंज और रुक्का को समय-समय पर बदलें। सिंक में लंबे समय तक गंदे बर्तन जमा करके न रखें।



तेल और घी
ठंडा होकर जमता है। पाइप में परत बनाता है।

चायपत्ती
पाइप में फंस जाती है।

कॉफी पाउडर
ग्रीस के साथ मिलकर ब्लॉकेज करता है।

चावल
पानी सोखकर फूलता है, पाइप ब्लॉक करता है।

आटा
पेस्ट बनकर पाइप में चिपक जाता है।

पास्ता और नूडल्स
फूलकर ड्रेन में फंस जाता है।

अंडे के छिलके
पाइप ब्लॉक कर देते हैं।

फल-सब्जियों के छिलके
ड्रेनेज जाम कर देते हैं।

स्टिकर और लेबल
पाइप में चिपककर रास्ता ब्लॉक कर देते हैं।

हार्श केमिकल्स
पाइप लाइन डैमेज होती है।



फिल्म 'उड़ता तीर' में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की अगली फिल्म को लेकर मेकर्स ने अब तक कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं रखी है। हालांकि, फिल्म से जुड़े सुत्रों से बातचीत में कहानी और किरदारों को लेकर कुछ अहम जानकारों सामने आई है। फिल्म की पृष्ठभूमि भारत और पाकिस्तान से जुड़ी जरूर है।

भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि में काल्पनिक कहानी

फिल्म में भारत और पाकिस्तान की पृष्ठभूमि कहानी का अहम हिस्सा है। यह पूरी तरह काल्पनिक कहानी है, जिसे भारत-पाकिस्तान के संदर्भ में विकसित किया गया है। यही वजह है कि इसे हाल के दौर की उन फिल्मों से अलग माना जा रहा है, जिनकी कहानियां वास्तविक घटनाओं या सैन्य अभियानों से प्रेरित रही हैं।

फिल्म में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

फिल्म में आयुष्मान महत्वपूर्ण भूमिका में हैं और कहानी की मुख्य घटनाएं उनके किरदार के आसपास आगे बढ़ती हैं। इसकी वजह कहानी में मौजूद ट्विस्ट बताए जा रहे हैं। इसी वजह से आयुष्मान के डबल रोल में होने की भी संभावना जताई जा रही है। हालांकि, यह अभी पूरी तरह कफर्म नहीं है।

लाउड नहीं, सिव्गेशनल कॉमेडी पर फोकस करेगी यह फिल्म

फिल्म का टोन इसे खास बनाता है। भारत-पाकिस्तान का बैकड्रॉप और डिफेंस से जुड़ी कहानी देखकर इसे गंभीर वॉर फिल्म या सैबी कॉमेडी समझना आसान हो सकता है। फिल्म में ड्रामा और कॉमेडी साथ-साथ चलती है। इसका हास्य

लगातार पंचलाइन या वन-लाइनर्स पर बेस्ड नहीं है।

'धुरंधर' जैसी फिल्मों से अलग है कहानी इसमें डिफेंस से जुड़ी दुनिया होने के बावजूद ड्रामा

सारा का किरदार डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा

सारा फिल्म में एक कामकाजी महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका संबंध डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा बताया जा रहा है। यानी उनका किरदार सिर्फ घर या किसी पुरुष किरदार के आसपास सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म की पेशेवर दुनिया का हिस्सा है। उनके किरदार की पूरी भूमिका अभी सामने नहीं आई है।



पोस्टपोन हो सकती है प्रभास स्टारर 'फौजी' की रिलीज डेट

प्रभास की आने वाली फिल्म 'फौजी' इन दिनों चर्चा में है। हनु राघवपुड़ी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक पौरिख एक्शन ड्रामा है। अब खबर है कि फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... निर्माता फिल्म को फरवरी 2027 में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक रिलीज की नई डेट की घोषणा नहीं हुई है। 'फौजी' की रिलीज आगे बढ़ाने की एक बड़ी वजह फिल्म का लंबा पोस्ट प्रोडक्शन काम बताया जा रहा है। फिल्म का काफी हिस्सा तैयार हो चुका है, लेकिन अभी कुछ हिस्सों की शूटिंग भी बाकी है। प्रभास जल्द ही अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर सकते हैं।

फिल्म में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में हैं

'फौजी' में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में नजर आएंगे। यह उनके लिए खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि वह इस फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर लीड एक्टर्स के तौर पर अपनी शुरुआत कर रही हैं।



रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट के बाद तारा सुतारिया ने बनाई पहचान

बॉलीवुड में पहचान बनाने का सपना लेकर आने वाले हर कलाकार का सफर एक जैसा नहीं होता। कुछ को फिल्मी परिवार का सहारा मिलता है, तो कुछ हुनर और मेहनत के बल पर इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया का सफर भी ऐसा ही है। अभिनय के साथ संगीत और गायकी में रुचि रखने वाली तारा ने टेलीविजन से शुरुआत की और 2019 में करण जोहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बड़े पर्दे पर कदम रखा। तारा का फिल्मी सफर कई अनुभवों से गुजर चुका है। उन्होंने रोमांटिक और एक्शन फिल्में में काम किया और अपूर्वा जैसी सर्वोच्चल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें फिल्मों से रिप्लेस किए जाने और इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड डेब्यू साल 2019 तारा सुतारिया के करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा। इसी साल उन्होंने पूनीत मलहोत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्राफ और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में थे। तारा ने फिल्म में मिया चावला का किरदार निभाया।

मुश्किल और कई बार अकेलेपन भरा बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता और दोस्तों का सहयोग उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। वह अपने परिवार से काम और निजी जीवन से जुड़ी परेशानियों पर बात कर पाती हैं। तारा ने इस बातचीत में बताया कि समर्थ के साथ उन्होंने अपनी पसंद और नापसंद को समझा। अब वह जानती हैं कि किन लोगों को समझना और काम करना चाहती हैं और किस तरह के प्रोजेक्ट्स उनके लिए सही हैं।

आउटसाइडर होने पर बोलीं तारा

तारा सुतारिया ने इंडस्ट्री में बॉलीवुड में अपने आद साल के सफर पर बात की थी। इस इंडस्ट्री में तारा ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत की, तब वह बहुत कम लोगों को जानती थी। फिल्मी दुनिया के काम करने के तरीकों को समझने में उन्हें कई साल लगे। उन्होंने बताया था कि फिल्मी परिवार से नहीं आने वाले कलाकारों

के लिए इंडस्ट्री को समझना अलग अनुभव होता है। फिल्मी परिवारों से जुड़े लोगों को कई बार फिल्मों के बनने, प्रोजेक्ट्स के ट्रेक होने और इंडस्ट्री में काम के अवसरों की जानकारी पहले से मिल जाती है। तारा के मुताबिक, बाहर से आने वाले कलाकारों के लिए ऐसी जानकारी आसानी से उपलब्ध नहीं होती। उन्होंने अपने अनुभव को

अगले प्रोजेक्ट में संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वारंगली' की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'महेश अब महेश फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। दोनों के बीच एक फिल्म को लेकर बातचीत होने की खबर सामने आई है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो हिंदी सिनेमा के महेश निर्देशक और तेलुगु सिनेमा के बड़े एक्टर पहली बार एक साथ काम करते नजर आ सकते हैं। भंसाली इस फिल्म को बड़े स्तर पर बजाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। फिल्म में भव्य सेट, बड़े दृश्य और नाटकीय कहानी देखने को मिल सकती है।



द रेवोल्यूशनरीज के लिए रोहित सराफ ने 15 महीने की कड़ी ट्रेनिंग की

अभिनेता रोहित सराफ अपनी नई वेब सीरीज 'द रेवोल्यूशनरीज' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह स्वतंत्रता सेनानी सहिद्राथ सायनाल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के लिए रोहित ने अपने शरीर को बदलने के लिए करीब 15 महीने तक कड़ी मेहनत और ट्रेनिंग की। इसके अलावा उन्होंने लगभग 3 महीने तक मल्लखार और कुश्ती जैसी कलाओं की ट्रेनिंग भी ली। रोहित ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक निखिल आडवाणी से मिले, तो उन्होंने रोहित से कहा था कि उनका शरीर हॉलीवुड अभिनेता ब्रेड पिट जैसा होना चाहिए, जैसा कि फिल्म फाइट क्लब में दिखाया है। रोहित ने कहा, 'मैं पहले से एक्टिंग और फिट था, लेकिन मैं फाइट क्लब वाले ब्रेड पिट जैसा बिल्कुल नहीं था।' इसीलिए उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने शरीर को निर्देशक की कल्पना के मुताबिक बनाना थी। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग काफी कठिन और थकाने वाली थी। वह अपनी ट्रेनिंग के वीडियो लगातार निखिल आडवाणी को भेजते थे। रोहित को सबसे ज्यादा अच्छा यह देखकर लगा कि धीरे-धीरे ट्रेनिंग की वजह से उनके शरीर का लुक और चलने-फिरने का तरीका दोनों बदल रहे थे।



क्या ललित मोदी का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह?

फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ललित मोदी की जिंदगी पर एक बड़े बजट की बायोपिक बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण उनके बेनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया जाएगा।

ललित मोदी की जिंदगी के कई पहलुओं पर होगी नजर फिलहाल यह फिल्म लेखक और डेवलपमेंट स्टेज

में है। फिल्म की कहानी, स्टाकास्ट, डायरेक्टर और रिलीज डेट को लेकर अभी अधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म में ललित मोदी की जिंदगी को सिर्फ विवादों तक सीमित नहीं रखना चाहते। कहानी में उनके निजी जीवन के साथ-साथ उनके प्रोफेशनल सफर को भी दिखाया जाएगा। फिल्म के जरिए बुद्ध के पीछे की सोच और उसे खड़ा करने में ललित मोदी की भूमिका पर भी फोकस किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि मेकर्स स्क्रिप्ट पर काफी समय दे रहे हैं, ताकि ललित मोदी की पूरी कहानी को बिस्तार से पर्दे पर उतारा जा सके। लेखिका और प्रोड्यूसर रनेहा राजानी भी इस बायोपिक के डेवलपमेंट से जुड़े होने की खबर है। खास बात यह है कि जब ललित मोदी ने पहली बार अपनी जिंदगी पर फिल्म बनने की जानकारी दी थी, तब रनेहा राजानी ही इस प्रोजेक्ट से जुड़ी टीम का नेतृत्व कर रही थी। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शुरुआत से ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रहे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल फिल्म की कार्ट को लेकर है। कुछ साल पहले रणवीर सिंह ने लंदन में एक मुलाकात के दौरान ललित मोदी का किरदार पर्दे पर निभाने में दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि रणवीर सिंह को इस बायोपिक के लिए फाइनल किया गया है या नहीं। ललित मोदी ने जून में भी अपनी जिंदगी पर बन रही बायोपिक को लेकर जानकारी साझा की थी। ऐसे में अब इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।



पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति को लेकर कलेक्टर तनुजा सलाम ने ली सोलर वैंडरों की बैठक

निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा में पूरा करने, ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया सरल बनाने और योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के दिग् निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले में योजना की प्रगति को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले में कार्यरत सोलर वैंडरों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को समीक्षा करते हुए उन्हें समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सौंदर्यो जिला पंचायत उच्चतम पोसवाल, एसडीएम मोहला सुश्री शुभांगी गुप्ता, विद्युत विभाग, लोड बैंक मैनेजर, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती सलाम ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम



नागरिकों को सौर ऊर्जा उपलब्ध और बिजली बिल में राहत प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। इसलिए योजना के अंतर्गत जिले को प्राप्त लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सभी संबंधित विभाग एवं सोलर वैंडर जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने सोलर वैंडरों को आवंटित वाई एवं क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य करते हुए अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा उन्हें सोलर रूफटॉप स्थापित कराने के लिए

प्रेरित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने लोड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। ऋण आवंटनों को समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा बैंक वितर पर आने वाली समस्याओं का संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समाधान किया जाए, ताकि पात्र हितग्राही आसानी से योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक होनी चाहिए। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षक, सरपंच, सचिव, व्यापारी, जनप्रतिनिधि एवं अन्य सामाजिक प्रतिनिधियों के माध्यम से आम नागरिकों को जागरूक किया जाए। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार की गतिविधियां संचालित कर लोगों को सौर ऊर्जा के लाभ, योजना की पात्रता तथा

आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि जनगणिकांदरी बढ़ने से योजना के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और अधिक से अधिक परिवार स्वच्छ ऊर्जा का लाभ उठा सकेंगे।

कलेक्टर श्रीमती सलाम ने बैंक, सोलर वैंडर एवं संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि योजना का लाभ लेने वाले हितग्राहियों को किसी भी स्तर पर अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों की स्पष्ट एवं सरल सूची तैयार कर हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें पहले से ही जानकारी रहे कि आवेदन के लिए कौन-कौन से दस्तावेज जरूरी हैं। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को हितग्राहियों की समस्याओं का समय पर निराकरण करने तथा योजना के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

खास खबर

डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती बने नागपुर मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति के सदस्य



नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) के नागपुर मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति (DRUCC) में डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती को सदस्य मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन से डोंगरगढ़ एवं राजनांदगांव क्षेत्र के नागरिकों को इस उनके मित्र मंडल में हर्ष का माहौल है।

राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे की अनुशंसा पर रेलवे प्रशासन द्वारा डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती की 1 सितंबर 2026 से 31 अगस्त 2028 तक की दो वर्षीय अवधि के लिए DRUCC समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। इस दायित्व के माध्यम से वे रेलवे प्रशासन और आम यात्रियों के बीच एक मजबूत सेतु की भांति कार्य करेंगे तथा क्षेत्र की रेल संबंधी आवश्यकताओं व समस्याओं को अधिकारिक मंच पर रखेंगे।

डॉ. चक्रवर्ती को बर्बाद व शुष्कमनाएं देने वालों में पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजनी भारती, पूर्व विधायक विनोद डांडेकर, सरजनी बंगोर, नगरपालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, नगरपालिका उपाध्यक्ष उमामहेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष सोमेश सोनी, अंगुलजैन जैन, सरगजीत बनोआना, योगेश सन्नी अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल, विवेक मोनू भंडारी, नवीन चोपड़ा एवं शिव अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हैं। मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति (DRUCC) रेलों का एक प्रमुख परामर्श मंच है, जहां यात्रियों की समस्याओं, नई ट्रेनों के उद्घाटन और रैशनों के आधुनिकीकरण पर सीधी चर्चा होती है। डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती के सदस्य बनने से राजनांदगांव और डोंगरगढ़ रेलवे रेशनों पर लंबे समय से लंबित जहाजित की मांगों को बल मिलने की उम्मीद है।

विषय रूप से विचारित, व्यापारी, नीकरोपेक्षा योगी तथा डोंगरगढ़ में बमलेश्वरी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त ट्रेनों का परचालन, प्रमुख ट्रेनों के उद्घाटन और रैशज परिसर में आधुनिक यात्री सुविधाओं के विकास को लेकर अक्सर सकारात्मक पहल की अपेक्षा की जा रही है। शुभचिंतकों और नागरिकों ने विश्वास जताया है कि डॉ. चक्रवर्ती अपनी इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हुए क्षेत्र की आकांक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

कृषि महाविद्यालय सुरगी में रकदान शिविर का हुआ समापन, 33 युनिट रक्त संग्रहित

राजनांदगांव। पंडित शिवकुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सुरगी राजनांदगांव में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में बालाजी ब्लड बैंक के सहयोग से रकदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बालाजी ब्लड बैंक की टीम द्वारा रक्त संग्रहण का कार्य संपन्न किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विद्यार्थियों, एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेटों एवं अन्य रकदानाओं ने उत्साहपूर्वक रकदान किया। शिविर में कुल 33 युनिट रक्त संग्रहित किया गया। अखिलाता डॉ. विमनरा जैन ने शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों एवं आमजन में सैल्बिक रकदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मानव सेवा, उच्चतर उपादानवित एवं परोपकार की भावना को प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि रकदान मानवता की सच्ची सेवा है। रकदान से जरूरतमंद मर्जों को नया जीवन मिल सकता है। रकदानाओं ने उत्साहपूर्वक शिविर में भाग लेकर रकदान महादान से संदेश को सार्थक किया। शिविर में बालाजी ब्लड बैंक की टीम, सभी रकदानाओं, महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों, एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेटों एवं आबोजन से जुड़े सभी सदस्य उपस्थित थे।



जायजा

प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश ने अंबागढ़ चौकी व्यवहार न्यायालय का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राजनांदगांव विजय कुमार ने गुरुवार को व्यवहार न्यायालय अंबागढ़ चौकी का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न्यायालयीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा न्यायालय भवन, अधिवक्ताओं की बैठक व्यवस्था, नेटवर्क सुविधा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से संबंधित विषयों पर चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम, एसडीएम मोहला सुश्री शुभांगी गुप्ता, जिला न्यायालय की न्यायालय अधीक्षक एवं वरिष्ठ कोर्ट मैजिस्ट्रेट श्रीमती इति जायसवाल उज्ज्वने भी उपस्थित रहीं।



निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला

न्यायालय भवन, आवंटित भूमि एवं न्यायिक कर्मचारियों के लिए निर्माणाधीन आवास का लिया जायजा

एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार ने ग्राम कान्हे में जिला न्यायालय अंबागढ़ चौकी के लिए आवंटित भूमि तथा न्यायालयीन कर्मचारियों के लिए निर्माणाधीन आवास का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति एवं कार्य पूर्णता के संबंध में संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। इसके साथ ही पूर्ण न्यायालय परिसर तथा ग्राम में स्थित नवीन अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय भवन में अधिवक्ताओं की बैठक व्यवस्था, नेटवर्क सुविधा और सोलर पैनल की शिफ्टिंग एवं सुदृढ़ी समस्याओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर अपर सत्र न्यायाधीश अविनाश कुमार त्रिपाठी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अंबागढ़ चौकी श्रीमती मंजू लता सिन्हा तथा न्यायालय अधीक्षक सुशील तिवारी उपस्थित रहे।

सेवा सेतु से आसान हुई जनसेवा, जोगेंद्र के नाम परिवर्तन की प्रक्रिया राजपत्र में हुई पूरी

घर के नजदीक ऑनलाइन सुविधा मिलने से समय और धन की बचत

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

शासन की जनहितकारी पहल सेवा सेतु-जनता के द्वार, डिजिटल सरकार आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुलभ और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और डिजिटल जनसेवा का बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले के ग्राम कतेली निवासी जोगेंद्र वर्मा को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से राजपत्र में नाम परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी होने से बड़ी सुविधा मिली है।

ऑनलाइन प्रक्रिया से मिली राहत, समय और धन की हुई बचत

ग्राम कतेली, तहसील एवं जिला बेमेतरा निवासी जोगेंद्र वर्मा ने राजपत्र में अपने नाम परिवर्तन के प्रकाशन के लिए तहसील कार्यालय बेमेतरा में आवेदन प्रस्तुत किया था। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी हुई और उन्हें बेमेतरा से ही राजपत्र में नाम परिवर्तन की सुविधा प्राप्त हुई। इससे उन्हें अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिली तथा समय और धन की बचत हुई।

जोगेंद्र वर्मा ने बताया कि घर के नजदीक शासकीय सेवा उपलब्ध होने से प्रक्रिया काफी सुविधाजनक रही। डिजिटल माध्यम से आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के कारण उन्हें आवश्यक कार्य के लिए दूर जाने की परेशानी नहीं उठानी पड़ी।

सभी दस्तावेजों की एक समान नाम रखने में मिलेगी सुविधा

जोगेंद्र वर्मा ने बताया कि राजपत्र में नाम परिवर्तन के प्रकाशन के बाद वे आधार कार्ड, शैक्षणिक दस्तावेजों, विवीय दस्तावेजों, राशन कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों में नाम संबंधी सुधार करता सके। इससे सभी दस्तावेजों में एक समान नाम रखने में सुविधा होगी और शासकीय योजनाओं तथा अन्य सेवाओं का लाभ प्राप्त करने



में नाम संबंधी विरसंतियों के कारण होने वाली परेशानियों को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए छत्तीसगढ़

झारखंड से अवैध धान परिवहन करते दो पिकअप जब्त

जशपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था में जागरूकता बनाए रखने और दूसरे राज्यों से अवैध धान के परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा निगरानी बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के दुलदुला तहसील क्षेत्र में झारखंड से धान ला रहे दो पिकअप वाहनों को जब्त किया गया है। कलेक्टर रोहित यादव के निर्देशन में बतला जा रहे

शासन, जिला प्रशासन बेमेतरा तथा संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की जनसुविधाएं आम नागरिकों के लिए राहतकारी हैं और शासन की सेवाओं को जनता के करीब लाने में सहायक हैं।

सेवा सेतु : सुशासन और जनसुविधा की प्रभावी पहल

सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से शासकीय सेवाओं को नागरिकों के नजदीक पहुंचाने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा समय और धन की बचत सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। ऑनलाइन प्रक्रिया से पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है और नागरिकों को सुविधाजनक तरीके से सेवाएं प्राप्त करने का अवसर मिलता है। जोगेंद्र वर्मा का अनुभव इस बात का उदाहरण है कि डिजिटल जनसेवाएं आम नागरिकों के जीवन का आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।



जाव अभियान के तहत तहसीलवार दुलदुला राहुल कोशिक और खाद निरीक्षक संदीप गुप्ता ने 24 अक्टूबर की रात कारवाई की। दोनों पिकअप में झारखंड के कुर्छेग से धान लोड कर छत्तीसगढ़ के नारायणपुर परामर्शदा ने जाया जा रहा था। जाव के दौरान धान परिवहन से संबंधित शेष दस्तावेज नहीं मिले। प्रशासनिक टीम ने दोनों पिकअप वाहनों और उभरं लदे धान को जब्त कर धान दुलदुला के सुपुर्द कर दिया है। मामले में आवश्यक कारवाई और प्रकरण तैयार करने के लिए मंडी निरीक्षक को भी सुनिश्चित किया गया है। दुलदुला तहसील झारखंड की सीमा से लग्गी है। धान खरीदी के दौरान दूसरे राज्यों से धान लाकर छत्तीसगढ़ में खपाए जाने की आशंका को देखते हुए जिला और स्थानीय प्रशासन सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन जाव कर रहा है। प्रशासन ने अवैध परिवहन पर रोक लगाने और खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अभियान जारी रखने की बात कही है।

ग्रामीण क्षेत्र से शहर में लाकर छोड़े जा रहे 50 मवेशी, लगाया जुमाना

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम और शहर में सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम का मवेशी धरपकड़ अभियान लगाता जारी है। इसी कड़ी में राजनांदगांव में एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां ग्राम सिंघोला की ओर से लगभग 50 मवेशियों को छूड़ या अन्य माध्यमों से शहर में लाकर छोड़ने की साजिश रची जा रही थी। मुस्टेद प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि की सूचना पर निगम आयुक्त ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मवेशियों को पकड़ लिया और सर्वेक्षण से 7 हजार 700 रुपए का जुमाना वसूल किया लक्ष्य देखे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह ग्राम सिंघोला से लगभग 50 की तादद में मवेशी लाकर शहर में छोड़ने की तैयारी थी। इसकी भनक लगते ही हल्दी के पावद श्री



चंदकुत साहू ने सत्कारा नगर निगम आयुक्त श्री जी. आर. मरकाम को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही आयुक्त ने शहर में सघन तुरंत हल्दी पहुंच गए और सभी मवेशियों को एक स्थान पर एकत्रित कराया। इसके बाद सिंघोला से मवेशी मालिकों को बुलवाया गया और उन पर 7 हजार 700 रुपए का अर्थदंड लगाया गया। साथ ही उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई कि वे अपने मवेशियों का उचित प्रबंधन करें, अन्यथा यदि इस तरह ग्रामीण क्षेत्रों से मवेशी लाकर शहर में छोड़े जाए, तो और भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान शहर के कुछ अन्य पकड़े गए मवेशियों को रेवाड़ी कीज की हाउस भेजा गया।

कान में लगे टैग से होगी मालिकों की पहचान

आयुक्त श्री मरकाम ने पशु चिकित्सालय की टीम को निर्देशित किया है कि शहर से पकड़े गए मवेशियों के कान में लगे टैग के



आधार पर उनके मालिकों की जानकारी जुटाई जाए और उन पर भी अर्थदंड लगाया जाए। आयुक्त ने बताया कि कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार हाईवे और शहर के चौक-चौराहों को मवेशियों के कारण होने वाली

साथ-साथ भोजन पर हूए व्यय की राशि भी वसूली जाती है।

निगम वाला रहा है विशेष अभियान

प्रशासन द्वारा मवेशियों की सुखा के लिए उन्की सफा गले में सैडियम एडी लगावने के साथ-साथ रात के समय मवेशियों को मुख्य मार्गों से हटाने का कार्य भी किया जा रहा है। साथ ही नदिन 1100 और मुख्यमंत्री हेल्थलाइन में प्राप्त शिकायतों के आधार पर भी लगातार मवेशी पकड़े जा रहे हैं। बीमार या दुर्घटना में घायल मवेशियों को इलाके के लिए आयुष्यम गैशाला भेजा जा रहा है। आगमनी दोपावली त्योहार को देखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए इस अभियान में और अधिक तेजी लाई जा रही है। नगर निगम ने एनएसएस को अपील की है कि वे अपने मवेशियों को खुला न छोड़ें, अन्यथा सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

एचआईवी सघन प्रचार-प्रसार अभियान के तहत विस्म साजा में हुआ जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

राष्ट्रीय एड्स निवर्णन संगठन (NACO) एवं छत्तीसगढ़ राज्य एड्स निवर्णन समिति के निर्देशानुसार दिनांक 12 अगस्त 2026 से अक्टूबर 2026 तक चलाए जा रहे इंटींसेफाइड आई.ई.सी. कैम्पेन (Intensified IEC Campaign) के अंतर्गत आज विकासखण्ड साजा में सघन जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कलेक्टर प्रफुल्ल ममगाई के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहड़े, नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश के मार्गदर्शन एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एके वर्मा के नेतृत्व में एचआईवी साजा आईसीटीसी द्वारा इंदिरा गांधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, साजा में



कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में परामर्शदाता अभिषेक राजपूत द्वारा विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स के फैलने के कारण, लक्षण तथा बचाव एवं रोकथाम और एसटीआई/आईटीआई के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आईसीटीसी एमएलटी अण्ण कुमार यादव द्वारा 1097 टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर एवं कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में परामर्शदाता अभिषेक राजपूत द्वारा विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स के फैलने के कारण, लक्षण तथा बचाव एवं रोकथाम और एसटीआई/आईटीआई के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आईसीटीसी एमएलटी अण्ण कुमार यादव द्वारा 1097 टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर एवं

एचआईवी/एड्स अधिनियम 2017 के प्रावधानों के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान जागरूकता हेतु आईसीटीसी सामग्री की वितरण किया गया एवं जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें छात्राओं ने "जागरूक समाज, स्वस्थ छत्तीसगढ़" का संदेश दिया। इस जनजागरूकता कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थी उपस्थित थे।



सामाहिक कॉलम

राज्यवर्च मिश्र



इनोवा

पुलिस महकमे के लिए पहुँची इनोवा के विवरण का काम कब शुरू होगा इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आ रही है। करीब 75 इनोवा को जिला से लेकर राजधानी के कई इलाकों में तैनात किया जाना है। लेकिन ये काम ही नहीं पा रहा है। अब क्यों नहीं हो पा रहा है, इसका जवाब मत तलाशिए क्योंकि यहाँ यह सवाल ही आउट ऑफ़ सिलेबस की श्रेणी में चिन्हाकित कर दिया गया है। साहब लोगों ने सहाफ़ी को समझाया है देखो सहाफ़ी अब

गाड़ी आ गई है तो बंट भी जाएगी। हड़बड़ाने का मसला क्या है ?

बदलना और सुधरना

सरकार में नए डीजीपी को लेकर हलचल देख सहाफ़ी को समझ नहीं आया कि, इलाही ये माजरा ने क्या है। सहाफ़ी इसलिए सोच में पड़ा क्योंकि इसी स्टेट में इसी कुर्सी पर वो लोग रिपोर्ट तोड़ ड्राईम तक केवल इसलिए रह गए क्योंकि कुछ किए ही नहीं, तो एक काम का धुनी बंद जो यस मेन भाव में नहीं रहता उससे दिकनर क्या है। पुलिस महकमे के एक बड़े साहब के पास घुमते भटकते सहाफ़ी पहुँचा और उसने अपनी सिज़ासा उनके सामने रखी तो साहब ने जवाब दिया – “Look, my journalist friend, it's very simple. The big boss isn't willing to change, and the government isn't willing to mend its ways.”

कौन सा वाला

एक बेहद इमानदार महकमे को लेकर यह सिर से फर्जी अपकवह कौन उड़ा रहा है, वह तो पता नहीं है लेकिन जिस अंदर में यह बात तैर रही है वह चकित कर रही है। मसला उस विभाग का है जो परमिट फिटनेस के लिए जाना जाता है। किसी जलनखोर ने उड़ाया है कि, फिटनेस के मामले में दो कागज तैयार रहते हैं पहला होता है रिजेंट वाला और दूसरा होता है ग्रांट वाला। अब किस बंदे के परमिट का क्या शत्रु होगा यह ‘कागज’ ही तय करता है। जलनखोरे का कहना है कि, कौन से कागज पर मुहर लगेंगी वह भी ‘कागज’ ही तय करता है। वैसे अपना मानना है कि सरकार के इस

महकमे में उपर से नीचे सब कुछ इमानदारी से और इमानदारों के जरिए चल रहा है। सारी बातों केवल और केवल अपकवह है। भला ये कैसे हो सकता है कि फाईल में जब सारे कागज सटॉक हो तो उसे दरकिनार कर रिजेंट और ग्रांट पर फोकस क्यों होगा ?

मजमून

एक दीदी ने परंपरागत रूप से शस्त्र पुजा की और फिर AK-47 से फायरिंग कर गई। अब ये है कि दीदी यूनिफॉर्म में नहीं थी तो ये भी है कि स्टेट में कई लोग जब पुलिस लाइन में परंपरा निभ रहे थे तो वो भी यूनिफॉर्म में नहीं थे। फायरिंग भी सभी जगह पर हुई। लेकिन दीदी ही टार्गेट हो गई। इसके पीछे वजह बस इतनी है कि दीदी सोशल मीडिया पर जोर से वायरल रहती हैं। किसी जानकार ने बताया कि दीदी का रोल और दीदी की रील इस मामले के बवाल बनने की वजह बन गए। यह देखना दिलचस्प था कि किस तरह सोशल मीडिया पर भीदी के फंवर में आर्टिकल आने लगे। अच्छी भली दीदी छत्तीसगढ़िया प्रउड बनीं और सब पिल पड़े। सोशल मीडिया से लेकर अखबार तक में आर्टिकल यूँ छपे कि मानो दीदी से शो कौन लेना उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी है जबकि सच इससे बिल्कुल दूसरी ओर चुपचाप खड़ा है। कोई भी सरस्वती पुत्र जरा सी जहमत उठा कर शो काज के मजमून को पढ़ लेता तो समझ जाता कि मसला कुछ है ही नहीं। लेकिन क्या कहिएगा सभी के पास अध्ययन के लिए वक्त का संवधा अभाव होता है। बहरहाल इस शो काज के शब्द किसी डिस्क्लमरि एक्शन की आहट नहीं देते। लेकिन जिस तरह से इस मामले पर सोशल मीडिया पर लोग ज्ञान उलट रहे हैं उससे दीदी

की दिकत बढ़ जाए, तो दुर्गा माता जानें।

एक बवाल थोड़ी है

कांग्रेस में महिला कांग्रेस की समूची बौंदी भंग है। ये ठीक उस फेसले के हज़ते पंद्रह दिन के भीतर हुआ जबकि ‘कार्यवाहक अध्यक्ष’ संगीता सिन्हा मनोनीत हुईं। अब नई कार्यकारिणी बना भी लें, जिला अध्यक्ष के रूप में योग्य सक्रिय का चयन भी कर लें लेकिन नियम शर्त में मामला फंस गया है। मसला ये है कि जिस ज़िलाध्यक्ष बनना है वे तब ही विचार की प्रशंता में आएंगी जब पाँच सी सदस्य बना लेंगी। स्थिति कार्यकारणी के लिए यह शर्त हज़ार सदस्य पर टिकती है। अब एक सदस्य के लिए सी रुपया शुल्क लगता है तो हिसाब लगा लीजिए और यह भी सोचिए कि, छत्तीसगढ़ जैसे सुबे में इस कदर सक्षम महिला नेत्री कितनी होंगी। अब एक मसला और है। संगीता सिन्हा जी हैं कार्यवाहक अध्यक्ष, तो दावेदारों को लाता है कि प्रयास पुरजोर करते रहना चाहिए। कभी ये नेत्री दिल्ली तो कभी वो नेत्री दिल्ली।

कैसे करें

सचिन पायलट का जहाज पंजाब उड़ने से करीब एक महीने पुरानी बात है। मोर्चा प्रकोष्ठ और विभागाध्यक्षों की सूची माँगी गई। तीन राउंड बैठक हुई। प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से वीसी के जरिए गहन विचार विमर्श हुआ। लेकिन इसके पहले कि लिस्ट जारी होती सचिन जी का जहाज उड़ कर पंजाब लैंड कर गया। अब उनकी जगह भगत जी आएँ। सचिन जी के जाने और भगत जी के आने से अब यह सवाल अनुचित रह गया है कि उस लिस्ट का क्या हुआ।

ना सुन ना कपास

नई प्रदेश प्रभारी के रूप में रंज तर्वर नेत्री स्मृति जुबिन इरानी के दो दिवसीय दौर की शुरुआत कुछ ही घंटों में हो जाएगी। बिलाशक सत्ता और सौंदर्य में हलचल तेज है। आखिर स्मृति जुबिन इरानी का दौरा ही ऐसा है। जहाँ जरूरी वहां तीखा तेवर, कार्यकर्ताओं से प्रभावशाली सीखा संवाद यह स्मृति की चिर परिचित शैली है। उन्हें और सह प्रभारी के रूप में शंघु जी को छत्तीसगढ़ भेजने के बीबीजे केन्द्रीय नेतृत्व के अपने सुनिश्चित निहितार्थ हैं। लेकिन यह पड़ना देखना दिलचस्प है कि, एक बार फिर से प्रशासनिक प्रशासन के बल्लमवाजी में मंत्रिमंडल से ये पाँच जाएंगे वो पाँच आएंगे का माहौल बना दिया है। तीरंदाजों ने तो विभाग भी तय कर दिए हैं। अपकवह कहती हैं कि ऐसी खबरें उड़ाने वालों के अपने मंसूबे हैं और ऐसी वायरल खबरों के चिन्हाकित प्रायोजक हैं। ठाकरे परिसर में टटलते एक वरिष्ठ ने सहाफ़ी को कहा – “सुनो भई, प्रायोजक आयोजक दो तरह के हैं एक तो वो जो चाहते हैं कि उनके नाम की चर्चा हो और दूसरे वो जो कतिपय नाम चेहरों से बिछे खुनस खाए बैठें हैं।” उन्होंने आगे जोड़ा – “ये सही है कि बीबीजे के स्ट्रक्चर में बहुत कुछ चेंज हुआ है लेकिन अब भी ऐसा नहीं है कि कुछ छापने या वायरल करने से तय होने लगे।”

सुशासन सरकार में दीवाली

जलनखोरों की बात भी गजब की होती है। मतलब एकदम उठा धुरा। दीवाली का माहौल तो भी भला भला फॉलिंग लेना चाहिए लेकिन भोली शमीली सुशासन सरकार के पीछे लुट भाला लिए पड़े रहते हैं। अब देखिए जैसे हमारे गुल्लू चचा किसी जलनखोर की बात सुनकर फुल फायर मोड़ में थे। गुल्लू चचा से टकरा

गया गरीब सहाफ़ी तो चचा ने घूरते हुए कहा – क्यों सहाफ़ी तुम लोग कुछ लिखते क्यों नहीं। सामने दीवाली है। सुशासन ने गुल्लू चचा से मुस्तुकरों हुए कहा – “हैं जरा सुशासन सरकार का है और राज्यपाल की चमक बताएंगी कि राज्य में सब फीज गूड है।” बस इतना कहा ही था कि चचा हठसे से सवार हो लिए। गुल्लू चचा ने कहा – सुनो जी... तुम अब लिखो मन्त्रंगा में सामग्री का भुगतान राशि सरकार को नहीं मिला है... सोलहवें वित्त का पैसा भी गुम सा है... धान खरीदी में समिति प्रबंधकों की भी पैसे का इंजानर है... महतारी वंदन राशि भुगतान का भी हाल बेहाल है... NHM वाले कले पुरा होने का इंजानर अलग से कर रहे हैं... ये दीवाली कहाँ कहाँ काली है लिखते क्यों नहीं हो! अब सहाफ़ी ठहरा सरकार का भक्त, वो भी पूरा पूरा भक्त। सहाफ़ी को उल्लू है सरकार का अच्छा नहीं लिखेगा तो बुरा तो बिल्कुल नहीं लिखेगा। लेकिन गुल्लू चचा को कौन समझाए।

साहब ये AI है

दशहरे पर परंपरागत तरीके से पुलिस लाइन में पूजन और हर्ष फायरिंग के बाद दीदी की वजह से मचे ममाल के बीच उसी रंज इलाके से एक और वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में यह दिख जा रहा है कि परंपरागत पूजन और हर्ष फायर की प्रक्रिया में काना साहब के पुतर् भी सहभागीता निभा रहे हैं। अब इस वायरल वीडियो के सच्चे होने झुठे होने को लेकर शंका जताई गई है। बिल्कुल शंका होनी भी चाहिए। AI के दौर में कोई दुर्रमन बना दिया होगा। लेकिन फिर ये हल्ला क्यों है कि साहब यथाशक्ति लगाकर वीडियो डिलीट कर रहे हैं। खैर जो हो, मामला मसला पुलिस महकमे का है, साहब लोग का है। अपने को क्या करना है ?

महिला और बाल विकास मंत्री और राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण



नई दृष्टिविंदु / बस्तर

बस्तर प्रवास के दौरान 24 अक्टूबर को महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के साथ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने

आंगनबाड़ी केंद्र पेदावाड़ा मांझीपाल, ग्राम कोटमसर, विकासखंड दरभा, जिला बस्तर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नन्हे-मुन्हे बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर उनके पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक

शिक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज सिन्हा, सीडीपीओ एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उर्मिला राय, सहचिका बालमती सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा सरकार को घेरा

बृह स्तर पर "वोट रक्षक" तैनात किए जाएंगे : मुकेश चंद्राकर, 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत कांग्रेस की राजीव भवन दुर्ग में हुई बैठक

नई दृष्टिविंदु / मिलाई

राजीव भवन, दुर्ग में 25 अक्टूबर, रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीयपी 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों (एसआईआर मुद्दे) पर विरोध दर्ज करना और आगामी रणनीतियों पर चर्चा करना था। बैठक में एसआईसीसी ऑफ़िसर राजेश ठाकुर, पीसीसी पर्यवेक्षक आर एन वर्मा, पूर्व विधायक अरुण वोर, जिला कांग्रेस कमेटी मिलाई अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर विशेष रूप से उपस्थित थे।

एसआईसीसी पर्यवेक्षक राजेश ठाकुर ने मतदाता सूची पुनरीक्षण और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि चाहें कोई नीकानी हो या अंधानी, लोकतंत्र में सबको बराबर वोट डालने का अधिकार मिलना चाहिए। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने



स्थानीय व्यापारियों और आम जनता से इस लोकतांत्रिक लड़ाई में सहयोग करने का आह्वान किया।

पूर्व विधायक अरुण वोर ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 'वोट चोरी' के गंभीर आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग दोहराई। बैठक में आगामी 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली

राष्ट्रीय महारेली में दुर्ग जिले से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने बताया कि अभियान की आगामी रणनीति के तहत बृह स्तर पर "वोट रक्षक" तैनात किए जाएंगे जो मतदाता सूचियों का सत्यापन करेंगे। जिला स्तर पर उने नागरिकों

की सूची तैयार की जाएगी जिनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए हर ब्लॉक, मंडल और पंचायत स्तर पर चीपला लगाकर जन-जागरण किया जाएगा। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष और बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दौरान ही गुगुगता को लेकर शिकायत की गई थी, लेकिन अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। अब घटिया सड़क पर ही टोल प्लाजा बनाकर टोल वसूली की तैयारी चल रही है।



हादसों को हब बना एनएच

मानपुर क्षेत्र में जर्जर हाईवे हादसों की मुख्य वजह बन गया है। तीखे मोड़, 10 फीट तक चौड़े और एक फीट गहरे गड्ढे, रात में रिफ्लेक्टर और संकेतक न होना, ब्रेकडाउन वाहन का सड़क पर खड़ा रहना हादसों को न्यूता दे रहा है।

नवंबर 2025 में कोहका गांव के पास तेज रफ़्तार कार और दो बाइकों की टक्कर में 3 लोग घायल हो गए थे।

सितंबर 2026 में बोरिया के पास खराब होकर ब्रेक टुक से बाइक टकरा गई, जिसमें दो युवकों की मौके पर मौत हो गई।

सितंबर में ही कोरकोट्टी के पास बस गड्ढे में जा घुसी, जिसमें 3-4 यात्री घायल हुए। ग्रामीणों ने रिफ्लेक्टर के तौर पर झाड़ियां रखी थीं।

निधन

संतोष यादव



मिलाई। पत्रकार प्रॉजल यादव के पुत्र पिता संतोष यादव जी का बीती रात आकस्मिक निधन हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा आज रामगढ़ स्थित निज निवास स्थान से रामगढ़ मुक्तिधाम के लिए निकली। जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

GOSWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER

मिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

- Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
- One Way Vision • Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address: 3d Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना
फलाई ऐश त्रिवस
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, मिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts

- Birthday Cakes
- Anniversary Cakes
- Custom Theme Cakes

Serving Bhilai & Durg
DM for Order

Followed by s_andeep

Follow Message

Order Now:

@baked.by.suhani
MO.6263734520

"यह समाचार पत्र आलोक तिथारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, मिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़) - 490023 से आलोक तिथारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिथारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उत्तई, दुर्ग, (छ.ग.) - 491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है।) समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिथारी, मो. 74154-69100